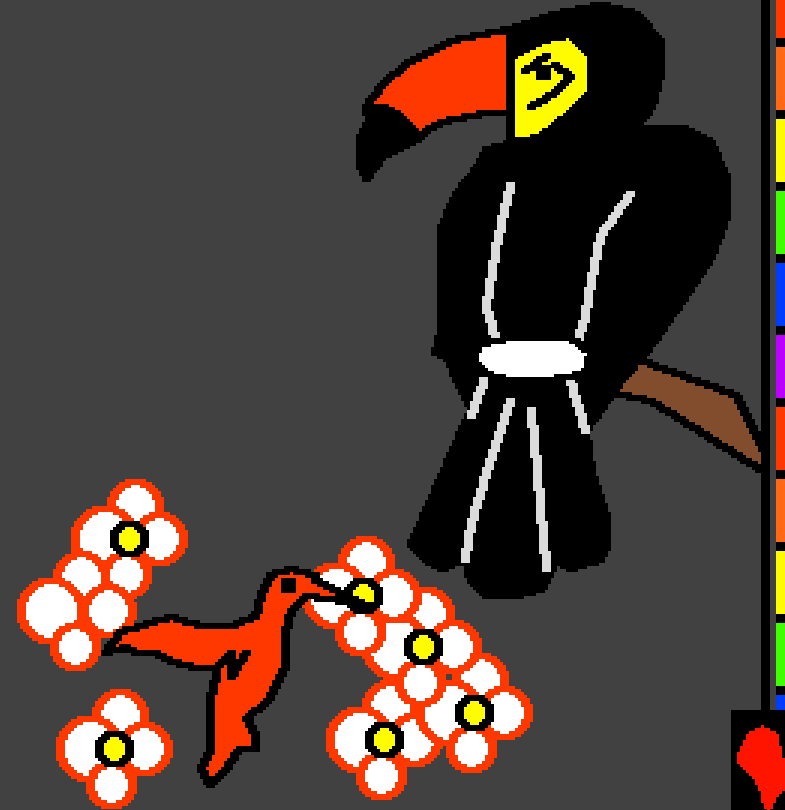
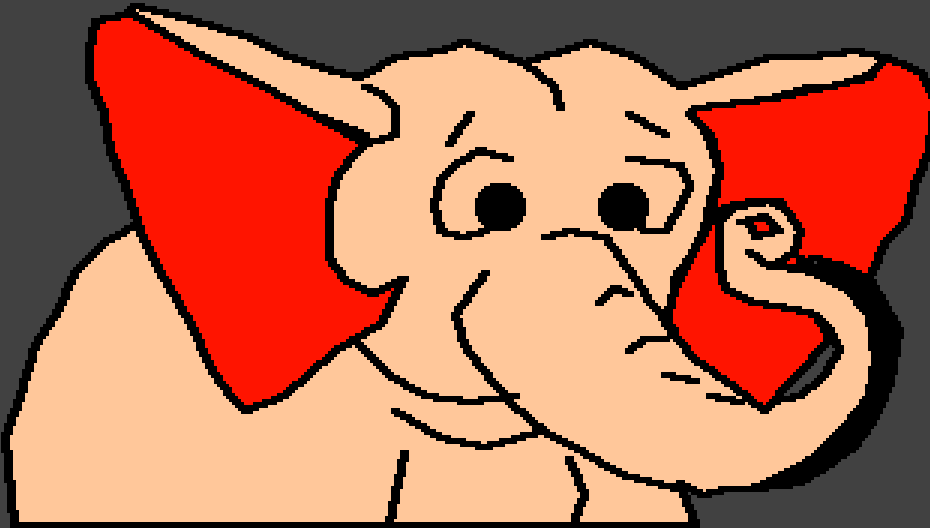


लडकन खातिर बाइबिल प्रस्तुति
प्रस्तुतकर्ता

जब ईश्वर सबकुछ
बनवलन



लेखक: Edward Hughes

ब्याख्याकर: Byron Unger; Lazarus

अनुकूलित: Bob Davies; Tammy S.

अनुवादक: सुरेश मसीह

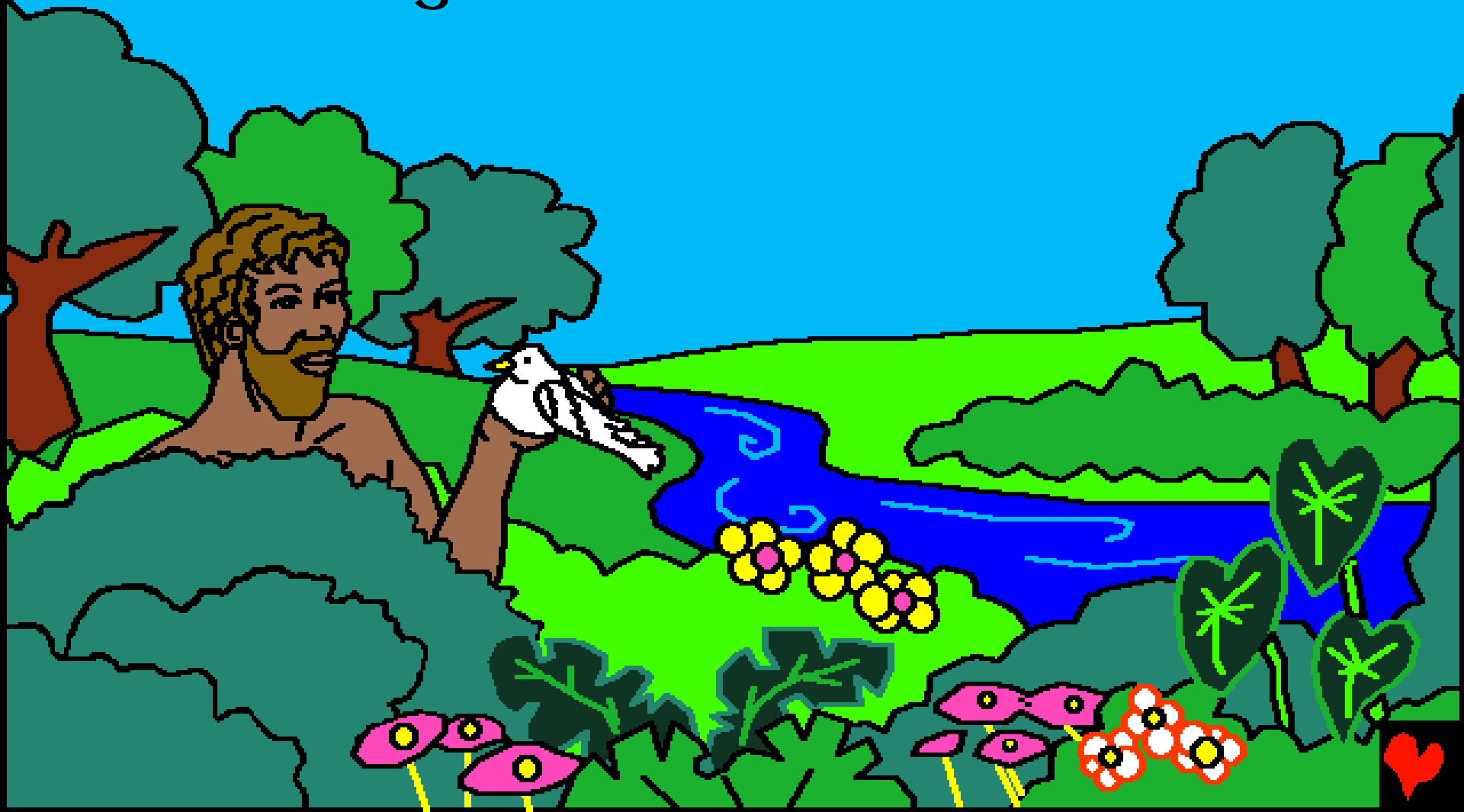
उत्पादित: Bible for Children
www.M1914.org

©2016 Bible for Children, Inc.

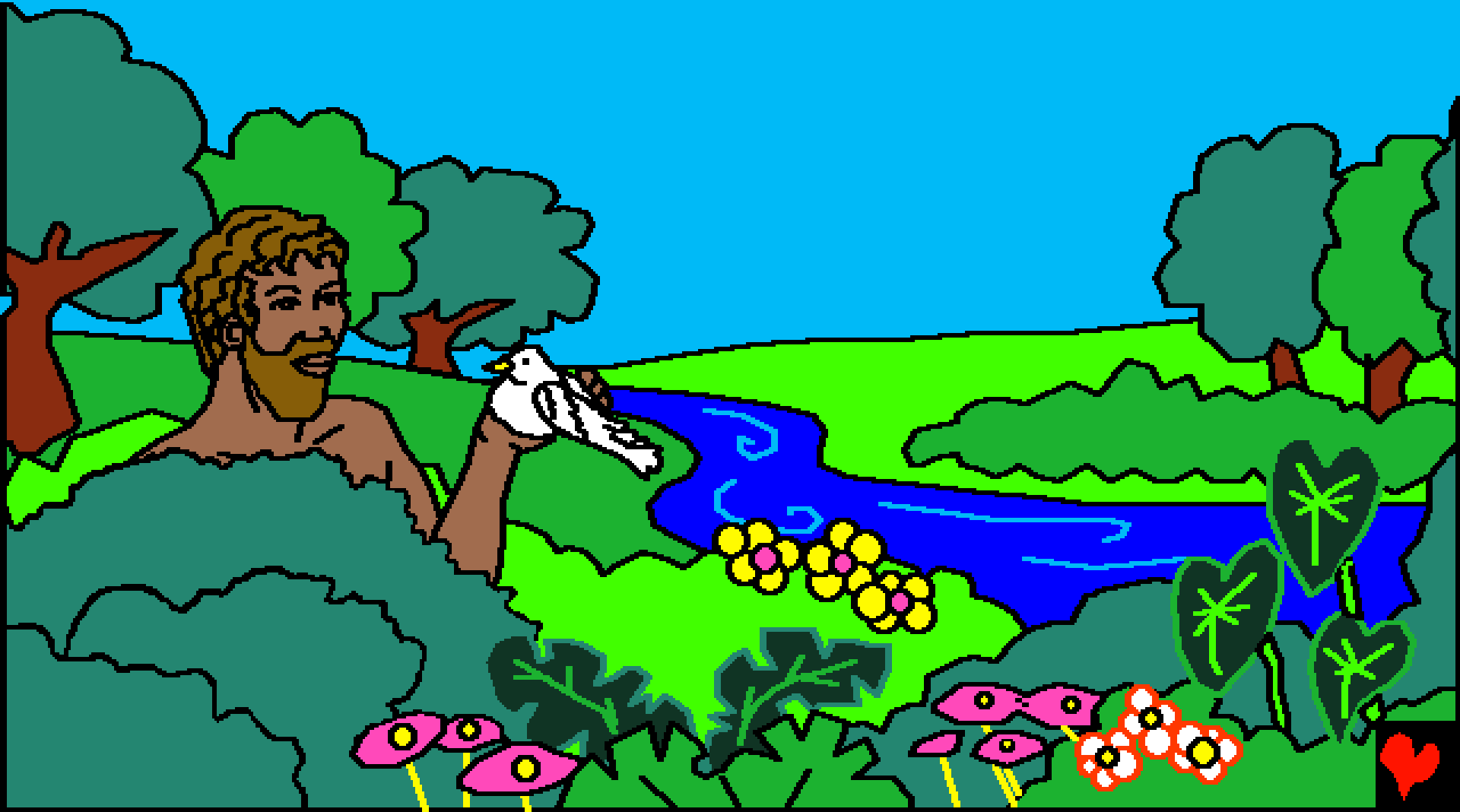
अनुज्ञापत्र: आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण
करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।



हमनी के बनवलस ? ईश्वर के पक्कि
वचन बाइबिल बतावेला कि मानव जाति
के शुरुआत कैसे भइल ।



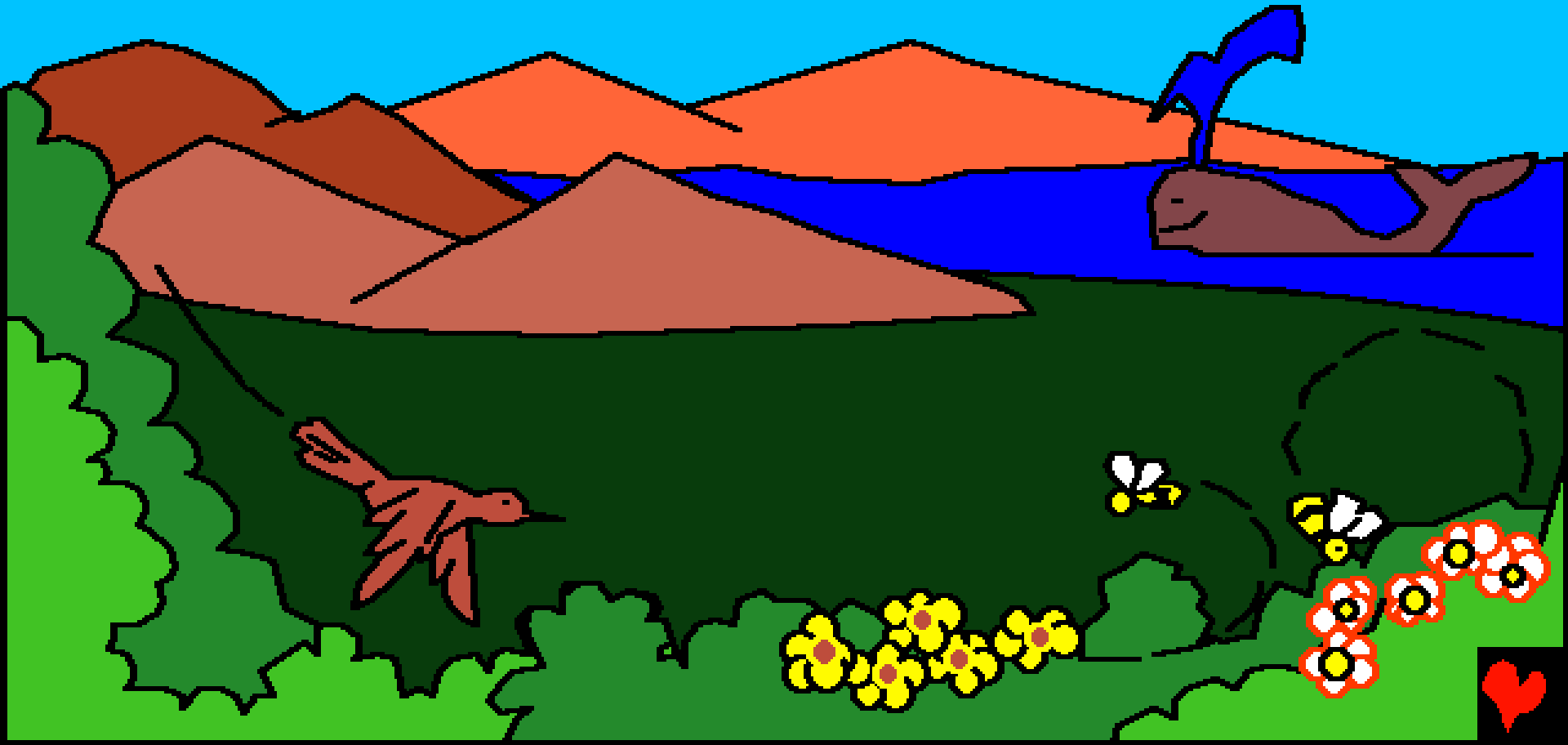
बहुत पहिले ईश्वर पहिला इंसान के
बनवलन आ ओकर नाम आदम रखलन ।



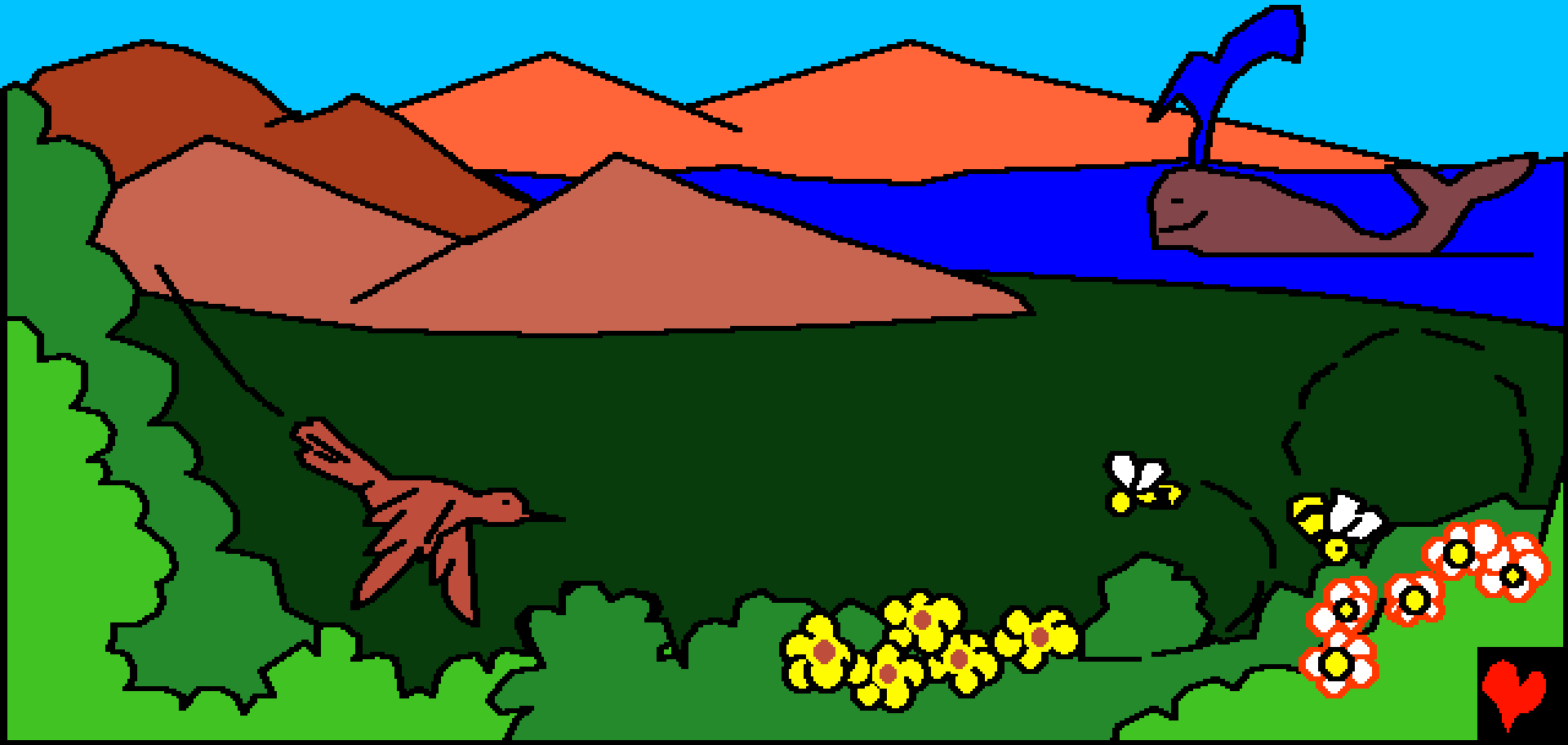
ईश्वर धरती के धूल से आदम के
बनवलन ।जब उ उनका में सांस फूँकलनए
आदम में जान आ गइल । आदम अपना
के इडेन नाम के एगो खूब
सुन्दर बगीचा
में पवलन ।



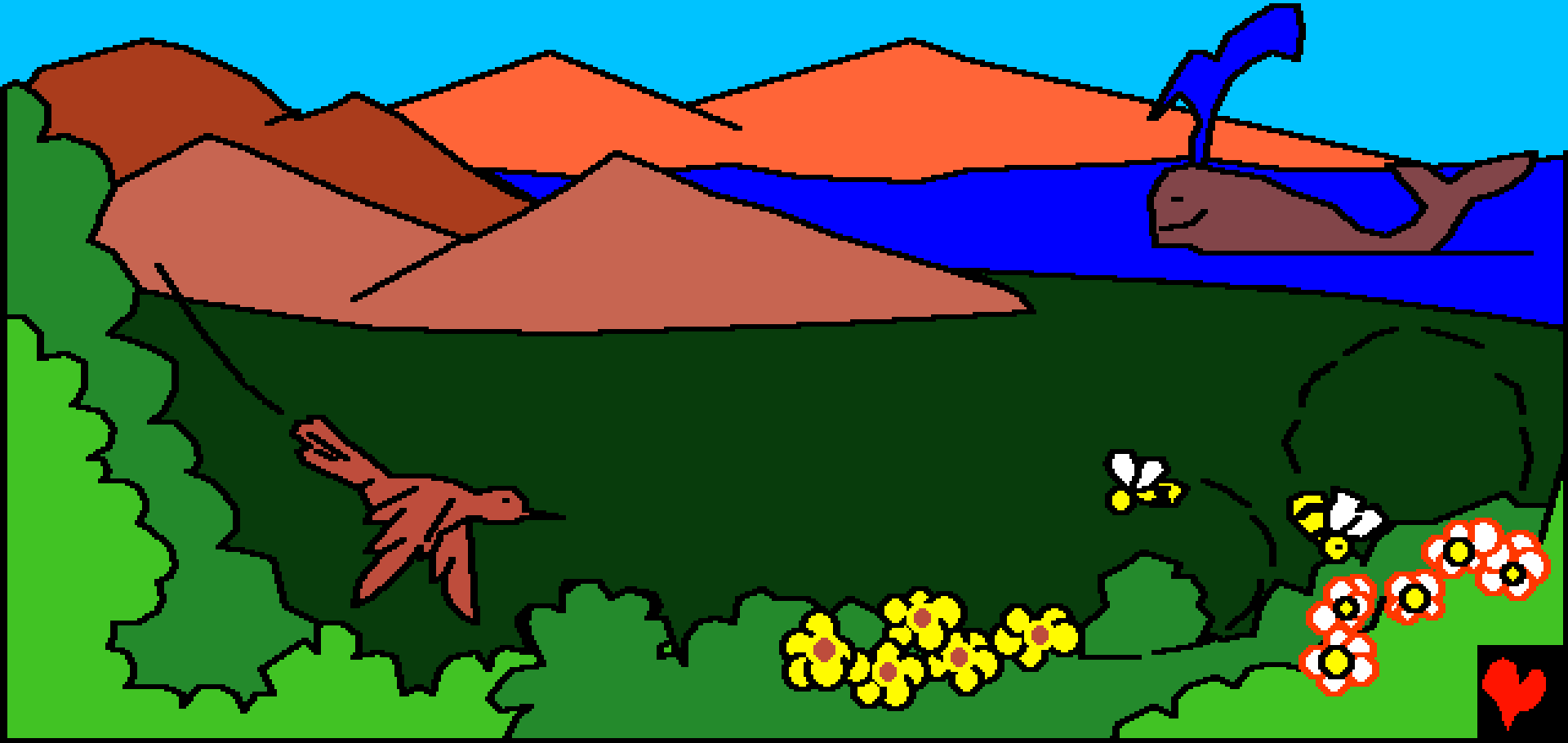
आदम के बनावे से पहिलेए उ खुबसुरत
चीज से भरल सुन्दर संसार बनवलन ।



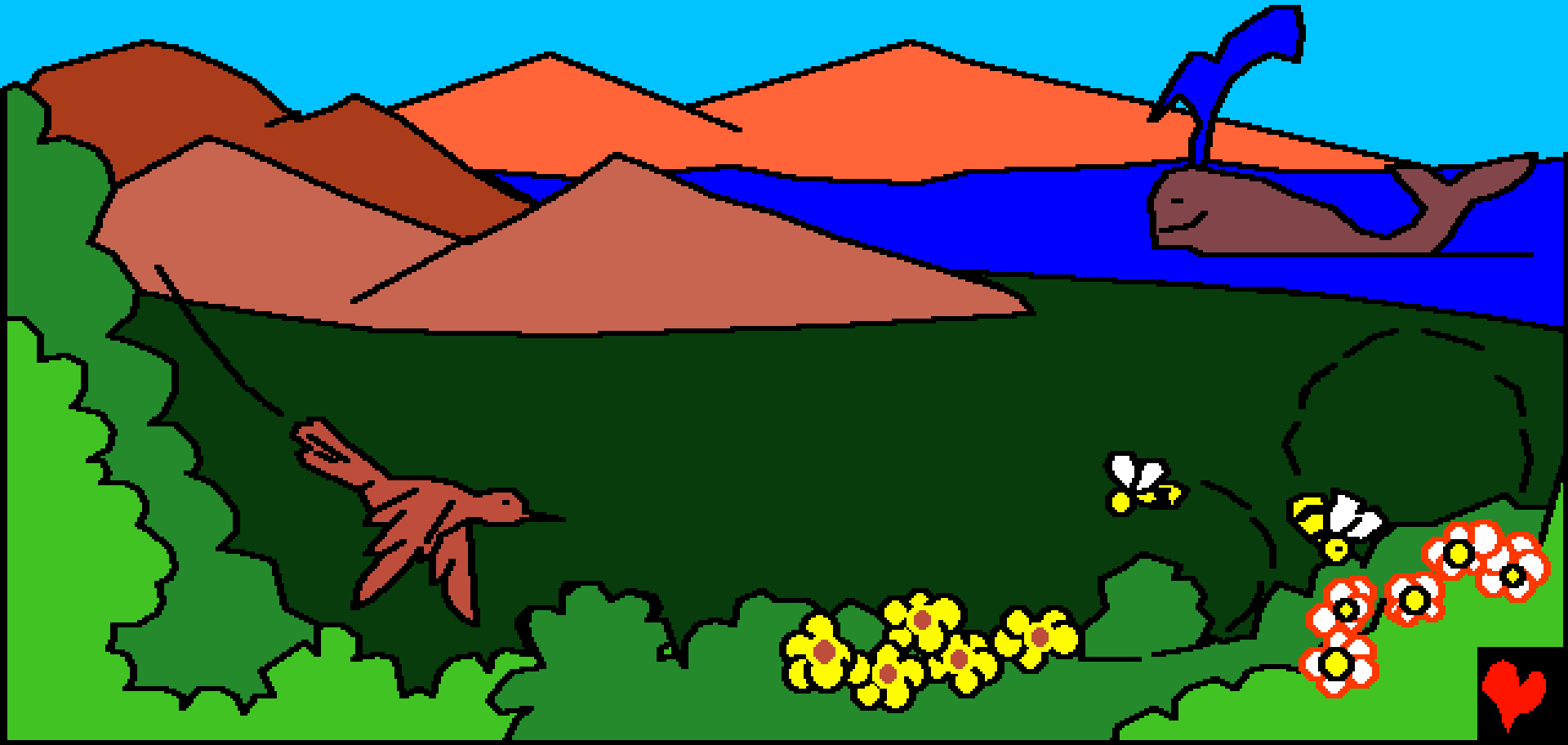
बारी बारी से उ पहाडी ईलाकाए सुन्दर
घास के मैदानए गमकउवा फूलए उच्चा
उच्चा पैड पौधाए चमकौवा पंख वाली ...



... चिरई चुरुंग भनभनाये वाली
मधुमकखीए लोटेवाली हवेल मछली
आ छलकउआ घोंघा बनवलन ।



वास्तव में ईश्वर उ सबकुछ बनवलन
जवन आज हमनी के बीच मे मौजूद बा ।



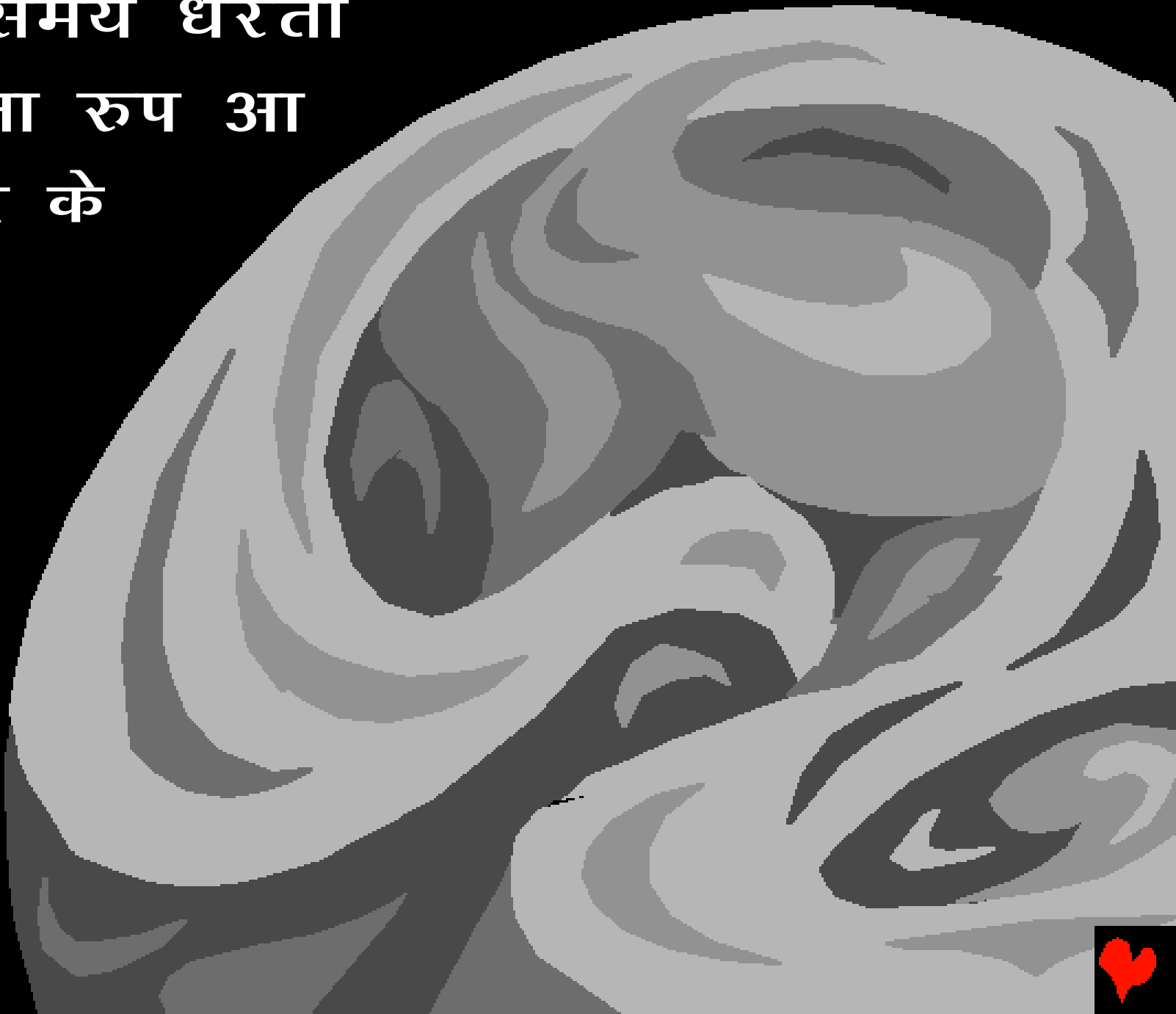
जब ईश्वर सबकुछ
बनवलन ओकरा पहिले
ईश्वर के अलावे एह
दुनिया में कुछ
भी ना रहे ।
ना आदमी ना
जगह ना कवनो
सामान ।



कुछ ना । ना अंजोर ना अंधकार
ना प्रकाश । ना उपर ना
नीचे । ना बितल काल
ना आवे वाला काल ।
खाली ईश्वर
रहलन जेकर
कवनो शुरुआत
ना रहे । तब उ
काम कइलै ! शुरु मै उ
स्वर्ग आ धरती के बनवले ।



ओह समय धरती
के बिना रूप आ
आकार के
रहे ।



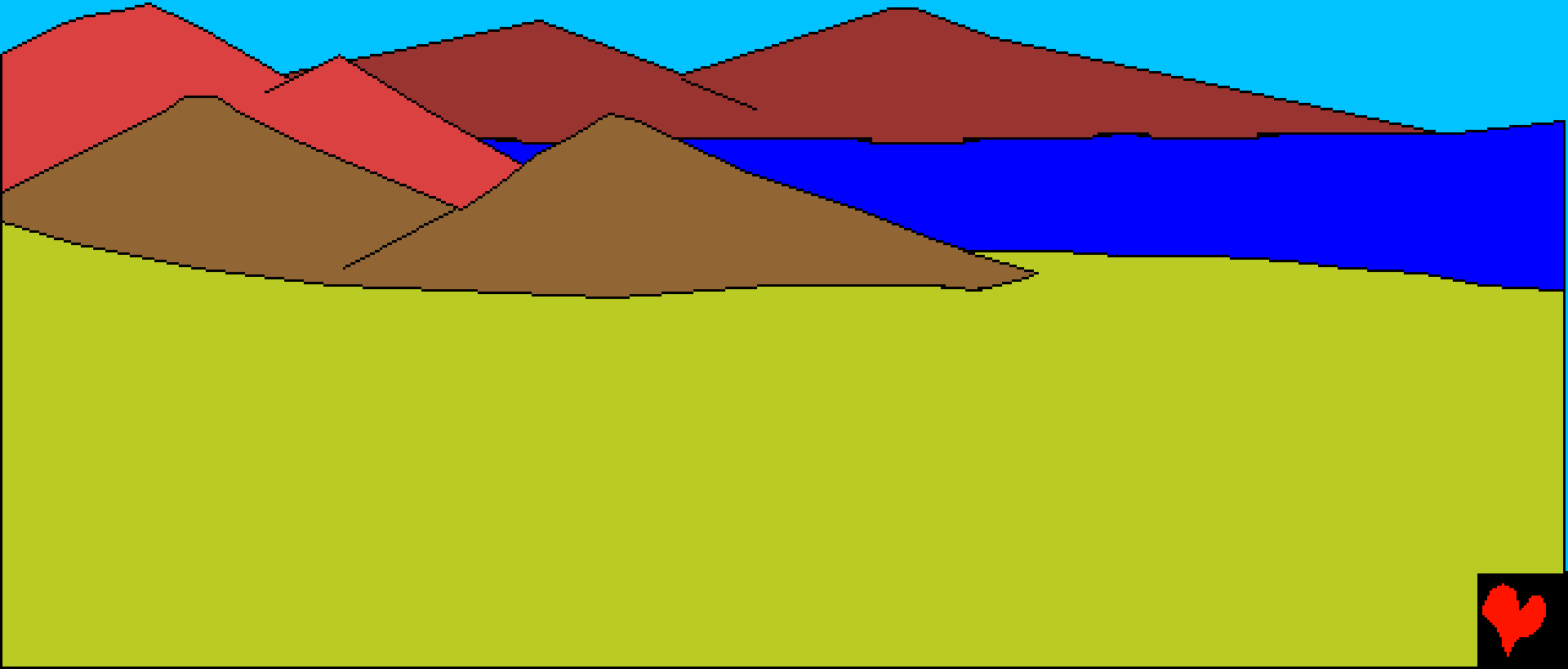
आ अंधकार चारो ओर
फइलल रहे । तब
ईश्वर बोललें
“अंजोर हो
जाउ” ।



आ अंजोर हो गइल । ईश्वर ओकरा के
अंजोर के दिन कहलनआ अंधकार के रात
कहलन । इ सुबह आ शाम मिला के
पहिला दिन रहे ।



दूसरा दिने ईश्वर सब सागर समुन्द्र
आ झील के पानी के एक साथ कइलन ।
तीसरा दिने ईश्वर कहलन सुखल जमीन
दिखाई देउए आ ओसही भईल ।



ईश्वर घास फल फूल झाडी आ पेड पौधा

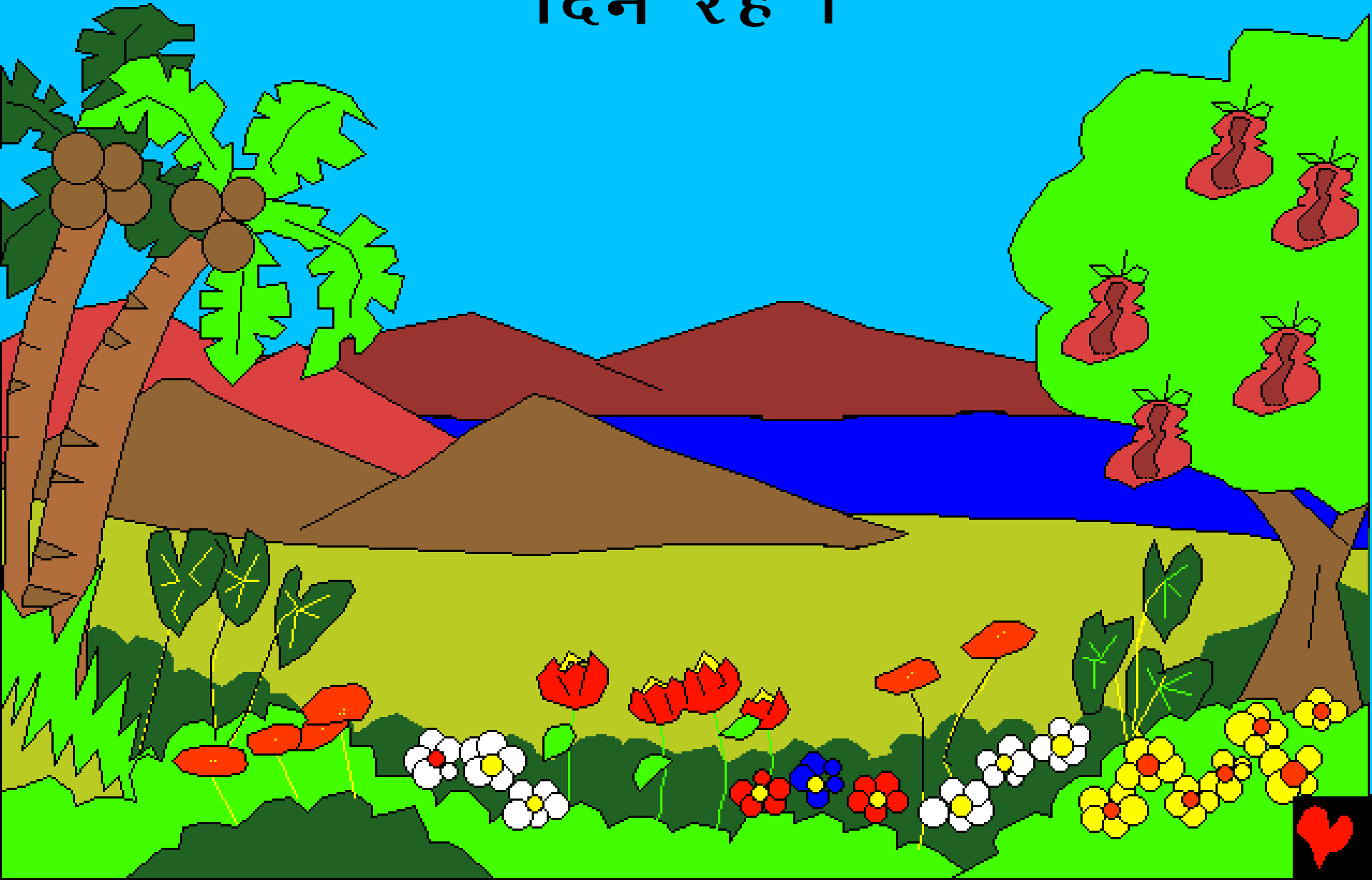
सब के दिखाई देबे के कहलन

आ उ सब दिखाई

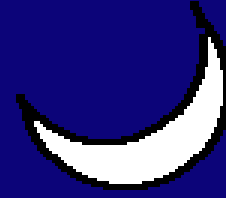
देबे लगलन ।



ई सुबह आ शाम मिलाके तीसरा
दिन रहे ।



तब ईश्वर सुरज चन्द्रमा
आ खुब ठेर तारा
बनवलन जेकरा कोई गिन
ना सकत रहे । ई सुबह
आ शाम मिलाके चौथा
दिन रहे ।



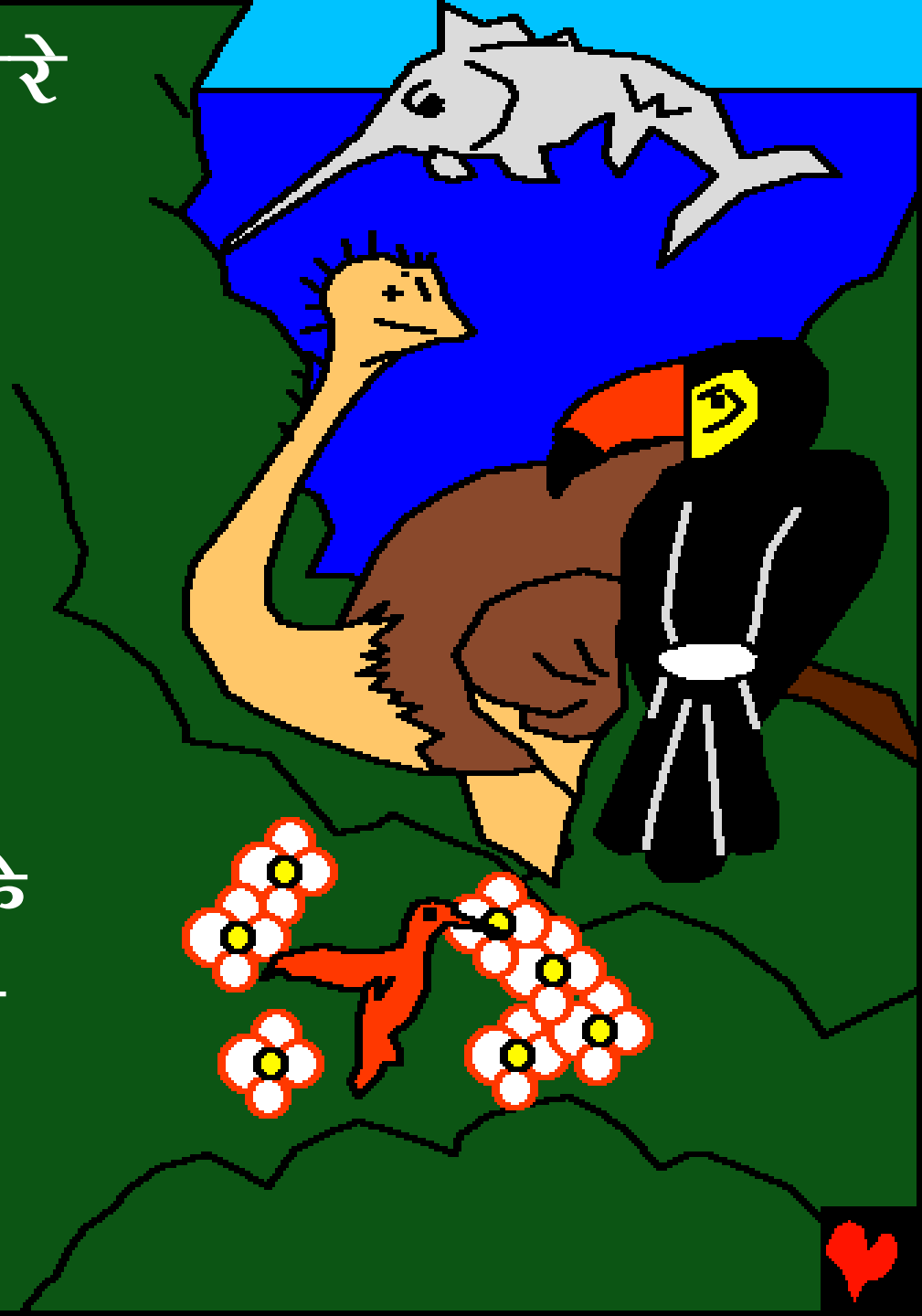
ईश्वर के अगिला
सूची मे समुन्दर
के मछली आ
जीव-जन्तु आ
चिडिया रहलीन ।



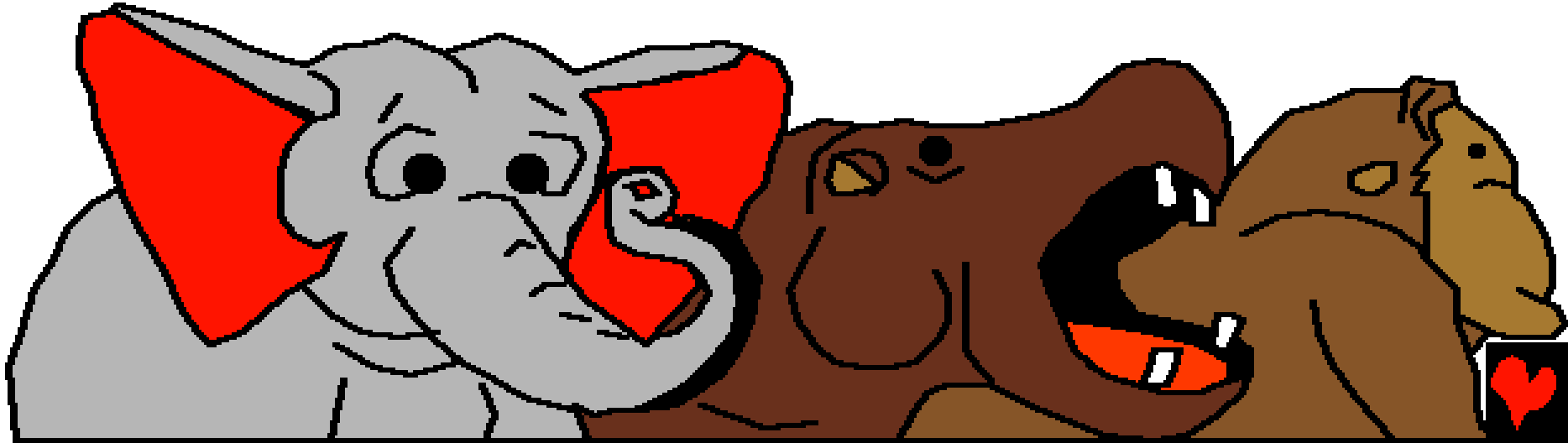
पाँचवां दिन बडकी
बडकी तेंगा मछली
आ छोटकी छोटकी
सारडीन मछलीन
के लम्बा लम्बा पैर
वाली शुतुरमुर्ग के
आहमेशा खुश
रहेवाली आ गुनगुनाए
वाली छोटी छोटी
चिडियन के बनवलन ।



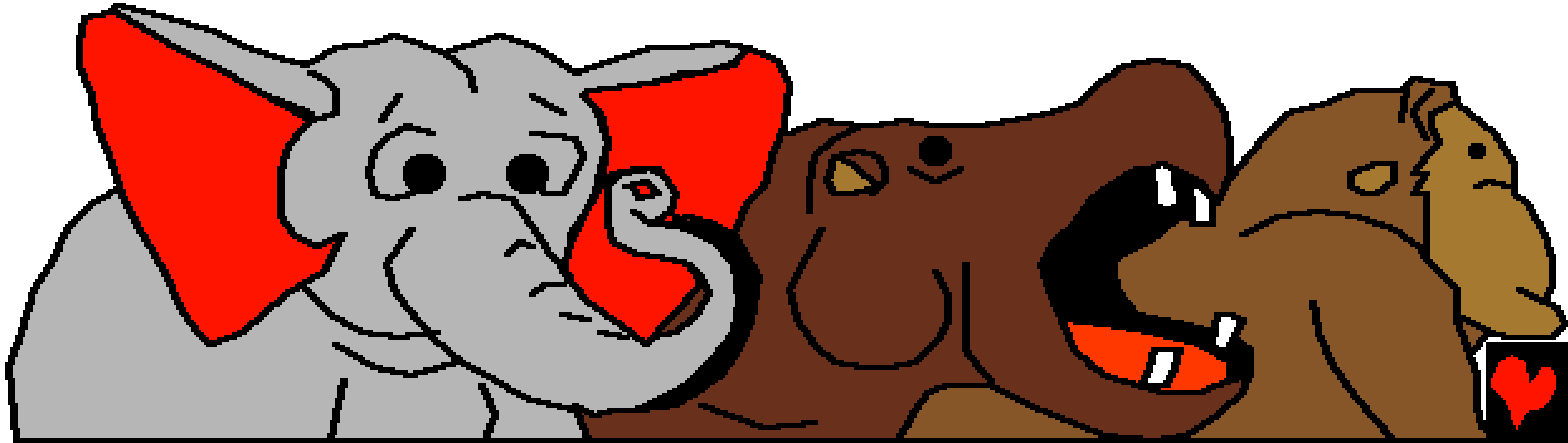
धरती के पानी के भरे
खातीर ईश्वर हर
प्रकार के मछलीन
के बनवलन आ
आकाश पताल आ
समुन्दर के मजा
उठावे खातीर हर
प्रकार के चिडियन के
बनवलन । सुबह आ
शाम मिलाके इ
पाँचवां दिन रहे ।



ओकरा बाद ईश्वर बोललन । उ कहलन,
“धरती जीवित जीव-जन्तु आ प्राणी से
भर जाउ ...” हर प्रकार के जीव-जन्तु,
कीडा-मकोडा आ रेंग के चलेवाला जीव
पैदा होगइले । धरती के हिला देबेवाला
हाथी, व्यस्त उदबिलाव, नटखट बन्दर,
फूहड आ गन्दा घडियाल पैदा हो गइले ।



हिले डोले वाला कीडा, गिलहरी आ
लमगोड जिराफ आ मन्दबुद्धि वाली
बिल्लीयाँ पैदा हो गई । ओह दिने ईश्वर
हर प्रकार के जीव-जन्तुं बनवलन । सुबह
आ शाम मिला के इ छठवाँ दिन रहल ।



छठवाँ दिन ईश्वर कुछ हट के
कइलन, बिल्कुल खास । अब सब कुछ
मानव खातिर बन के तैयार हो गइल

रहै । उनकां खातिर
खेत मे भोजन रहे आ
उनकर सेवा खातिर
जानवर तैयार
रहलन ।



आ तब ईश्वर कहलन, “अब चली, आ
अपना रूप में इंसान के बनावल जाउ ।
धरती पर जे कुछ भी बा ओकर मालिक

बनाई ।” एही से
ईश्वर मानव के
अपना रूप में
बनवलन, अपना
रूप में ।



ईश्वर आदम से
कहलन, “एह
बगिचा से जे
कुछ तु चाहताड,
तु खा । बाकि
अच्छा-बुरा के ज्ञान
वाला पैड के फल
मत खइह ।



यदि तु ओह
पेड के फल
खइब त,
जरुरे तु
मर जइब ।”



तब ईश्वर हमनी के मालिक कहलन,
“इ बढिया बात नईखे कि इंसान अकेले
रहो । हम इनकर सहायक
बनाईब ।” ईश्वर सब
चिडिया, जीव-जन्तु के
आदम के आगे रखलन ।



आदम सबकर नाम रखलन । आदम
एह काम में जरुर खुब चालाक होइहन ।
बाकि ओह सब चिडिया आ
जीव-जन्तु में आदम एक
केहु ना रहे ।



तब ईश्वर आदम के खुब गहरी निन्द
में सुला दिहले । सुतल आदमी के देह से

एगो पसली निकाल
के, ओह पसली से
ईश्वर हेवा के
बनवलन ।



औरत जेकरा के ईश्वर बनवलन,
सही मायने में आदम के सहायक लायक
रहलीन ।



ईश्वर सब कुछ एह छः दिन मे
बनवलन । तब ईश्वर सातवाँ दिन
के आशिष दिहलन आ एह दिन
के आराम के दिन कहलन ।



इडन नामक बगिचा में आदम आ
हेवा उनकर औरत, ईश्वर के
आज्ञा के पालन करते हुए पूरे
खुशी से जीवन बितावे
लगलन ।



ईश्वरे उन लोगन के मालिक,
दाता आ उनकर मित्र रहलन ।



जब ईश्वर सबकुछ बनवलन

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

उत्पति १-२

"तोहरी बातन की खुल्ला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130



समापन



बाइबल क इ कहानी हमनी के अपनी ओ अद्भूत परमेश्वर की बारे में बतावे ले, जे हमनी के बनवले हेउवन अउर उ चाहत बाड़न कि हमनी क उनके जानी जा।

परमेश्वर जानत बाड़न कि हमनी क अइसन गुनाह कइले बनी जा जेकरा के उ पाप कहेलें। पाप क सजा मौत हअ, लेकिन परमेश्वर आपसे एतना परेम कइलन कि उ आपन एकलौता बेटा यीशु के ए दुनिया में भेजनल ताकि उ सूली पर चढ़ के हमनी की पापन क सजा भुगतें। यीशु मूवला की बाद फिर से जिन्दा हो गइलन अउर स्वर्ग में अपनी घरे चल गइलन यदि आप यीशु में विश्वास करअब अउर अपनी उनसे अपनी पापन के क्षमा मांगअब तअ उ आपकी प्रार्थना के सुनिहन उ आके आपकी अन्दर बसिहन अउर आप हमेशा खातिर उनकी संगे बनल रहअब।



यदि आपके विश्वास बा कि इ

सब कुछ सच हअ तब आप परमेश्वर से कहीं:

हे प्रिय यीशु, हमके विश्वास बा कि आप ही परमेश्वर हँई
अउर हमरी पापन की कारन आप मानुष रूप में अवतार
लिहनी, मर गइलीं अउर दुबारा जी उठलीं अउर अब जीयत
बानी। कृपा करके हमरी जिंदगी में आर्यीं अउर हमरी पाप
के क्षमा करीं ताकि हमके नाया जीवन मिल सके, अउर
एक दिन हम आपकी संगे हमेशा रहे खातिर आ सकीं।
आप मदद करीं कि हम पापकी बेटा की तरह रहीं
अउर आज्ञा पालन कर सकीं। आमीन।

परमेश्वर से रोज बात करे खातिर
बाइबल पढ़ीं! यूहन्ना 3:16

